Media Coverage: Capacity building of M.P. and Maharashtra SFDs for developing REDD+ Action Plans

TheHitavada
Jabalpur City Line | 2021-10-26 | Page- 4
ehitavada.com

authorities to take cognizance of the matter.

TFRI's workshop on 26 and 27th

THE Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur is organising a two-day workshop for 'Capacity Building of Madhya Pradesh' and Maharashtra Forest Departments for Developing State REDD+ Action Plans on October 26 and 27.The agenda of the training will be to identify the drivers of deforestation and forest degradation and barriers of carbon enhancement in forests of the respective states. It will result in development of intervention packages for addressing prioritised drivers of deforestation and forest degradation for carbon enhancement activities. This training will upscale the officers of two states.

निज प्रतिनिधि, जबलपुर। जंगल तभी सुरक्षित रहता है, जब प्राकृतिक रूप से कार्बन का उत्सर्जन होता है। लेकिन वर्तमान समय में वन क्षेत्रों का एरिया लगातार सिमट रहा है। इसका प्रमुख कारण है जंगलों से कार्बन का घटना। इस तरह के कई कारणों की खोजबीन के लिए उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर द्वारा मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र वन विभागों के क्षमता विकास पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ सिविल लाइन स्थित होटल कल्चुरी में किया गया। कार्यशाला में टीएफआरआई निदेशक डॉ. जी. राजेश्वर राव, वरिष्ठ अधिकारी अमिताभ अग्निहोत्री, के. रमन, बिभाष कुमार ठाकुर, एम. श्रीनिवास राव समेत अन्य शामिल हुए।

दैनिक भास्कर
Wed, 27 October 2021
https://epaper.bhaskarhindi.com/c/63991534

राज एक्सप्रेस | महानगर
बुधवार, 27 अक्टूबर 2021
www.rajexpress.co
2 जबलपुर

आयोजन

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

मप्र और महाराष्ट्र वन विभागों के क्षमता विकास पर जोर

जबलपुर ■ राज न्यूज नेटवर्क

राय आरईडीडी प्लस कार्य योजनाओं का उद्देश्य वनों की कटाई और वन क्षरण और वन कार्बन वृद्धि के लिए बाधाओं की पहचान करना और उन्हें प्राथमिकता देना है। उपरोक्त जानकारी वक्ताओं ने मंगलवार को उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान टीएफआरआई द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण संस्थान के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान दी।

टीएफआरआई द्वारा राज्य आरईडीडी प्लस कार्य योजना विकसित करने के लिए मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र वन विभागों के क्षमता विकास पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के 23 आईएफएस एवं अन्य वनाधिकारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में टीएफआरआई निदेशक डॉ. जी. राजेश्वर राव ने प्रतिभागियों को अपने-अपने रा%यों की सफल आरईडीडी प्लस कार्य योजनाओं को विकसित करने में भाग लेने के महत्व के बारे में जानकारी दी।

गणमान्यजन रहे शामिल

आयोजन में वरिष्ठ अधिकारी अमिताभ अग्निहोत्री निदेशक एसएफआरआई, के. रमन ग्रीन इंडिया मिशन, विभाष कुमार ठाकुर एचआरडी भोपाल, एम. श्रीनवास राव महाराष्ट्र बांस विकास बोर्ड और प्रशिक्षण मंचासीन रहे। कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉ. अविनाश जैन ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के एजेंडे के बारे में जानकारी दी। अनुराग भारद्वाज निदेशक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, आईसीएफआरई देहरादून ने अपनी आरईडीडी प्लस कार्य योजना तैयार करने में राज्य वन विभागों की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया।

'वन क्षरण के कारणों की पहचान होगी'

मप्र व महाराष्ट्र वन विभागों के क्षमता विकास पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा 26 और 27 अक्टूबर को राज्य आरइडीडी प्लस कार्य योजना विकसित करने के लिए मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र वन विभागों के क्षमता विकास पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इन राज्य आरइडीडी प्लस कार्य योजनाओं का उद्देश्य वनों की कटाई और वन क्षरण और वन कार्बन वृद्धि के लिए बाधाओं की पहचान करना और उन्हें प्राथमिकता देना है। प्रशिक्षण के दौरान वनों की कटाई, वन क्षरण और कार्बन वृद्धि गतिविधियों के लिए कारणों की पहचान की जाएगी।

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के 23 आइएफएस व अन्य वनाधिकारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र वन विभागों के वरिष्ठ अधिकारी दो दिवसीय सेमिनार में शामिल हुए। ● सौजन्य टीएफआरआइ

कार्यक्रम की शुरुआत दोनों राज्यों के महत्वपूर्ण व्यक्तियों और संस्थान के संभाग प्रमुखों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई।डा. जी राजेश्वर राव, निदेशक टीएफआरआई ने वरिष्ठ अधिकारियों अमिताभ अग्निहोत्री, एपीसीसीएफ और निदेशक एसएफआरआई के रमन, एपीसीसीएफ., ग्रीन इंडिया मिशन विभाष कुमार ठाकुर, एपीसीसीएफ, एचआरडी, भोपाल एम श्रीनवासा राव, महाराष्ट्र बांस विकास बोर्ड और प्रशिक्षण के अन्य प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं अपने-अपने राज्यों की सफल आरइडीडी प्लस कार्य योजनाओं को विकसित करने में भाग लेने के महत्व के बारे में जानकारी दी।

समस्याओं के मूल कारणों की जाच कर होगा निराकरण

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

जबलपुर ■ राज न्यूज नेटवर्क

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान टीएफआरआई द्वारा आयोजित राज्य आरईडीडी प्लस कार्य योजनाओं विकसित करने हेतु मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र वन विभागों की क्षमता विकास पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का बुधवार को समापन हुआ। कार्यशाला में मौजूद अधिकारियों ने विचार मंथन के बाद, अधिकारियों ने समस्या के मूल कारणों की जांच एवं निकाकरण हेतु पैकेज विकसित करने की बात कही।

कार्यशाला में दोनों राज्यों के 23 आइएफएस और अन्य वन्य अधिकारियों ने विभिन्न अभ्यासों और गतिविधियों द्वारा राज्य आरईडीडी प्लस योजना को विकसित करने के लिए, वनों की कटाई, वन क्षरण के विभिन्न कारणों और कार्बन वृद्धि के लिए बाधाओं की पहचान की। प्रशिक्षण में वनों की कटाई और वन क्षरण के मुख्य चालक की पहचान क्रमशः वन भूमि में अतिक्रमण और चराई के रूप में की गई थी। कार्बन वृद्धि के प्रमुख बाधाओं के रूप में वनों के बाहर के पेड़ एवं वृक्षारोपण और मिट्टी एवं नमी संरक्षण कार्यों की पहचान की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के परिणामों का उपयोग जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने हेतु वनों के कार्बन स्टॉक में वृद्धि, वनों की कटाई और वन क्षरण से उत्सर्जन को कम करने के लिए मप्र और महाराष्ट्र राज्य आरईडीडी प्लस कार्य योजनाओं में किया जायेगा।

नईदुनिया
जबलपुर, गुरुवार 28 अक्टूबर 2021

जबलपुर सिटी

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में काम आएगा प्रशिक्षण

प्रशिक्षण में शामिल मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र के वन विभाग के अधिकारी। ● सौजन्य

जबलपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, टीएफआरआइ द्वारा आरईडीडी-प्लस योजना विकसित करने के लिए मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र वन विभागों की क्षमता विकास पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के दौरान दोनों राज्यों के 23 आइएफएस और अन्य वन अधिकारियों ने विभिन्न अभ्यासों व गतिविधियों द्वारा कार्य योजना को विकसित करने के लिए, वनों की कटाई, वन क्षरण के विभिन्न कारणों व कार्बन वृद्धि के लिए बाधाओं की पहचान की। प्रशिक्षण में वनों की कटाई, व वन क्षरण के लिए मुख्य चालक की पहचान क्रमशः वन भूमि में अतिक्रमण व चराई के रूप में की गई। कार्बन वृद्धि के लिए प्रमुख बाधाओं के रूप में वनों के बाहर के पेड़ व वृक्षारोपण व मिट्टी में नमी संरक्षण कार्य की पहचान की जांच व निवारण के लिए पैकेज विकसित किए जा सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम के परिणाम का उपयोग जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए वनों के कार्बन स्टाक में वृद्धि, वनों की कटाई व वन क्षरण से उत्सर्जन को कम करने के लिए मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र राज्य कार्य योजनाओं में किया जाएगा।

दैनिक भास्कर महानगर जबलपुर, गुरुवार, 28 अक्टूबर 2021 3

मिट्टी में नमी की कमी से घट रहा कार्बन, सिमट रहे जंगल

टीएफआरआई की दो दिवसीय कार्यशाला का समापन

निज प्रतिनिधि | जबलपुर

वन भूमि में खेती के लिए होने वाली चराई, वृक्षों की कटाई के कारण मिट्टी में नमी कम होने के कारण कार्बन घटने से जंगल सिमट रहे हैं। ये निष्कर्ष टीएफआरआई के वैज्ञानिकों ने दो दिन के प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान निकाला है।

होटल कल्चुरी में आयोजित इस कार्यशाला का बुधवार को समापन हुआ। जिसमें मप्र और महाराष्ट्र के 23 आईएफएस व विभिन्न वनमंडलों से आए वन अधिकारी शामिल थे। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों ने विभिन्न पहलुओं पर मंथन किया जिसमें वनक्षरण के विभिन्न कारण सामने आए। कार्बन की कमी के संबंध में कहा गया कि लगातार वनों की कटाई के साथ वन भूमि पर की जाने वाली खेती से मिट्टी की ताकत और नमी कम होने से कार्बन लगातार घट रही है। इसकी रोकथाम के लिए जंगलों के बाहर लगातार वृक्षारोपण और सिंचाई के साधन बढ़ाने की कार्ययोजना पर तेजी से काम किया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों का कहना है कि विशेषज्ञों द्वारा सिखाए गए आधुनिक तरीकों से निश्चित ही शोध में सहायता मिलेगा। कार्यशाला में टीएफआरआई निदेशक डॉ. जी राजेश्वर राव, वरिष्ठ अधिकारी अमिताभ अग्निहोत्री, के रमन, विभाष कुमार ठाकुर, एम. श्रीनिवासराव तथा संस्था में कार्यरत वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

TheHitavada
Jabalpur City Line | 2021-10-30 | Page- 1
ehitavada.com

MP, Mah Forest Deptts collaborate for capacity building

■ Staff Reporter

A TWO-DAY training programme on capacity building of Madhya Pradesh and Maharashtra Forest Departments for developing state REDD+ Action Plan was organised by Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur.

To develop the state REDD+ action plan, various activities and exercises were conducted with the participation of 23 IFS and other forest officials from the two states to identify the drivers of deforestation, forest degradation and barriers for carbon enhancement. During the exercise, the main driver for deforestation was identified as encroachment in forest lands and grazing for forest degradation. Trees outside forests & plantations and soil and moisture conservation works were identified as the major barriers for

(Contd on page 2)

Senior officers and scientists during the training programme.

TheHitavada
Jabalpur City Line | 2021-10-30 | Page- 2
ehitavada.com

MP, Mah Forest Deptts collaborate for...

carbon enhancement. After through brainstorming, the officers developed problem tree so as to know the root cause for the above drivers and barriers to finally find the solutions and develop intervention packages. The outcomes of the training program will be used to develop state REDD+ action plans of Madhya Pradesh and Maharashtra to reduce emissions from deforestation and forest degradation while increasing the carbon stock of the forests to mitigate the impact of climate change.